अब आजाओ घनश्याम देर क्यों लगायी है भोग

अब आजाओ घनश्याम देर क्यों लगायी है
असा वी दर तेरे ते अलख जगायी है

दुर्योधन के मेवे त्यागे ॥
साग वी विदुर घर आयो,देर क्यों लगायी है
असा वी.....

बिलनी के बैर सुदामा के चन्दन ॥
रुच रुच भोग लगाया,देर क्यों लगायी है
असा वी.....

जो तेरे भोग को खाये ॥
सो तेरा हो जाये,देर क्यों लगायी है
असा वी.....

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/2865/title/ab-aajao-ghanshyam-der-kyu-lagayi-hai-assa-bhi-dar-tere-te-alakh-jagai--hai

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |